

छुट्टियाँ बताने के लिये पूरे परिवार के साथ यत्र में जाने का शौक भूल कैसे नहीं होता। घूमने जाने के नाम से बच्चे सबसे अधिक रोमांचित होते हैं पर साथ ही साथ बड़े भी उत्साहित रहते हैं। पर अक्सर होता यह है कि लोग बनी कहीं पूरव ये जन तथ तैयरी के यत्र में निकल पड़ते हैं जिसे उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। घूमने का सारा मज करिकरी हो जाता है। इसलिये अच्छा यही है कि पूरी तरह से सेच-समझ कर यत्र की पूरवये जन बनायें और समस्त तैयारियों के साथ ही यत्र में निकलें।

पुस्तक .